पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)
————————

राज्यपाल ने आयार्च नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग हेतु तैयार सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की

विश्वविद्यालय अपने शिक्षण में ट्रांसजेन्डर्स की शिक्षा के लिए कार्यक्रम कराएं

प्रत्येक गतिविधि के लिए अलग फोटो लगाएं, पुनरावृत्ति न करें

खेती के साधनों के क्रमिक विकास को विश्वविद्यालय में फोटो के माध्यम से प्रदर्शित करें

खेती में द्रोण के उपयोग को प्रस्तुतिकरण में हाइलाइट करें

क्राइटेरिया तीन एवं सात का पुनर्लेखन करें

अपनी विशेषताओं को हाइलाइट करें

थारू जनजाति विकास कार्यों को फोटो के साथ दर्शाएं

सुदृढ़ भाषा संयोजन के साथ सशक्त प्रस्तुतिकरण बनाएं

–राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

————————

लखनऊः 11 जुलाई, 2023

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की नैक ग्रेडिंग हेतु तैयार सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की। विश्वविद्यालय नैक मूल्यांकन हेतु पहली बार एस0एस0आर0 दााखिल करने जा रहा है।

राज्यपाल जी ने एस0एस0आर0 का क्राइटेरिया वाइज बिंदुवार अवलोकन करते हुए टीम के सदस्यों से सुधार हेतु व्यापक चर्चाएं की।

प्रस्तुतिकरण में सभी बिंदुओं पर गतिविधि युक्त फोटो कैप्शन सहित लगाने हेतु राज्यपाल जी ने विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने शिक्षण में ट्रांसजेन्डर्स की शिक्षा के कार्यक्रम भी आयोजित कराएं।

विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों में विद्यार्थियों की प्रतिभागिता बढ़ाने का निर्देश देते हुए उन्होंने प्रस्तुतिकरण में स्टूडेंट्स सेटिस्फेक्शन सर्वे पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि कार्यों में उपयोग में लाए जा रहे द्रोण की गतिविधि युक्त फोटो को एस0एस0आर0 में प्रमुखता से दर्शाएं। एस0एस0आर0 के हाइपर लिंक में प्रमाण स्वरूप जोड़े गए फोटोग्राफ की पुनरावृत्ति को लक्ष्य करते हुए राज्यपाल जी ने प्रत्येक गतिविधि के अलग फोटो लगाने और पुनरावृत्ति न करने का निर्देश दिया। उन्होंने खेती के साधनों के क्रमिक विकास के फोटो विश्वविद्यालय में दर्शाने को कहा।

राज्यपाल जी ने प्रस्तुतिकरण में क्राइटेरिया तीन और सात का पुनर्लेखन करके समृद्ध भाषा में प्रस्तुतिकरण बनाने को कहा। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा और शोध की अन्यतम उपलब्धियाँ है, जिन्हें सुदृढ़ संयोजन के साथ प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ऊसर जमीन पर पैदा हो सकने वाली कृषि किस्मों का विकास और उसका देश के अन्य भागों में भी हो रहे बेहतर उपयोग का विवरण भी जोड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी विशेषताओं को अपने एस0एस0आर0 में हाइलाइट करे।

विश्वविद्यालय द्वारा अपनी बेस्ट प्रैक्टिस के प्रस्तुतिकरण के दौरान थारू जनजाति के हित में किए गए कार्यों का उल्लेख भी किया गया। राज्यपाल जी ने इस कार्य की सराहना की एवं थारू निवासों को मैप बनाकर प्रस्तुतिकरण में दर्शाने को कहा। उन्होंने कहा कि जनजाति की आय वृद्धि, स्वास्थय शिविर, उनके बच्चों और महिलाओं का चेकअप और चिकित्सा सहायता जैसे कार्यों का

फोटो सहित विवरण लगाएं। उन्होंने विश्वविद्यालय की नैक टीम में आपसी तारतम्य का अभाव बताया और टीम भावना के साथ एक साथ कार्य करने को कहा।

समीक्षा क्रम में राज्यपाल जी ने कृषि विश्वविद्यालय के विशेष कार्यों को भी हाइलाइट करने को कहा, जिसमें पराली के उपयोग,एफ0पी0ओ0 का विवरण और लाभों का उल्लेख विशेष रूप से करने को कहा। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के कुलपति को नैक मंथन और शिक्षा मंथन–2023 कार्यशाला के अुनभवों को विश्वविद्यालय की एस0एस0आर0 में जोड़ने को कहा। टीम के सभी सदस्यों को सशक्त प्रस्तुतिकरण बनाने और सुदृढ़ एस0एस0आर0 दाखिल करने का निर्देश देते हुए राज्यपाल जी ने बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की सख्त अपेक्षा की।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा श्री पंकज जॉनी, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 बिजेन्द्र सिंह, टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

––––

डॉ0 सीमा गुप्ता
सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361

राजभवन उत्तर प्रदेश